MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) SANSKRIT FINAL YEAR (2020-21)

SUBJECT: काव्य

ASSIGNMENT QUESTION PAPER – FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः–

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तर पुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय के प्रश्नपत्र हल करें, जो उत्तरपुस्तिका पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः– सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1) मेघदूत में प्रकृति के मानवीकरण पर संक्षिप्त निबन्ध लिखें ?

2) मेघदूत में वर्णित अलकापुरी के स्वरूप पर प्रकाश डालें ?

3) नैषधीयचरित महाकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश तथा वैशिष्ट्य अपने शब्दों में लिखें ?

4) नैषधीयचरित महाकाव्य के पठितांश के आधार पर 'नैषधं विद्वदौषधम्' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए?

5) महाश्वेतावृत्तान्त में पुण्डरीक का चरित्र–चित्रण कीजिए ?

6) महाश्वेता में चन्द्रापीड के चरित्र के महत्व पर प्रकाश डालिए ?

7) कुमारसम्भव महाकाव्य के पंचम सर्ग की कथा का अपने शब्दों में सारांश लिखिए ?

8) पार्वती की शिव को प्राप्त करने के लिए की गयी तपस्या के महत्व का विवचन कीजिए ?

9) संस्कृत गद्यकाव्य के उद्भव और विकास का प्रतिपादन को समझाइये ?

10) कालिदास की काव्यकला का निरूपण करते हुए उनके महाकाव्यों का परिचय दीजिये ?

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) SANSKRIT FINAL YEAR (2020-21)

SUBJECT: काव्य

ASSIGNMENT QUESTION PAPER – SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः–

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तर पुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय के प्रश्नपत्र हल करें, जो उत्तरपुस्तिका पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः– सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1) मेघदूत की काव्यकला का समीक्षात्मक विवेचन करें ?

2) यक्ष द्वारा वर्णित 'मेघमार्ग' का वर्णन करते हुए 'मेघदूत' का महत्व स्पष्ट कीजिए ?

3) ''उदिते नैषधे काव्य क्व माघः क्व च भारविः'' इस कथन की तर्कसंगत समीक्षा कीजिए ?

4) नैषध की काव्यकला पर प्रकाश डालते हुए श्रीहर्ष के दार्शनिक व्यक्तित्व का विवेचनात्मक परिचय प्रस्तुत कीजिए ?

5) कादम्बरी के आधार पर बाणभट्ट की काव्य शैली समझाइये ?

6) महाश्वेतावृत्तान्त का कथानक अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए ?

7) कुमारसंभवम् का संक्षिप्त कथानक लिखिये ?

8) कुमारसंभवम् महाकाव्य के साहित्यशास्त्रीय वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिये ?

9) पद्य की अपेक्षा गद्य में कवि वर्णन स्वातन्त्र्य का अनुभव करता है इस तथ्य की सोदाहरण विवेचना कीजिए ?

10) महाकाव्यों का विकासक्रम समझाइये?

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) SANSKRIT FINAL YEAR (2020-21)

SUBJECT: काव्यशास्त्र

ASSIGNMENT QUESTION PAPER – FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः–

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तर पुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय के प्रश्नपत्र हल करें, जो उत्तरपुस्तिका पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः– सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1) काव्य प्रकाश के अनुसार ''लक्षणा तेन षड़विधा' पर निबन्ध लिखिए ?

2) काव्य के प्रयोजन एवं लक्षण लिखिए ?

3) काव्य प्रकाश के अनुसार रस–निरूपण कीजिए ?

4) उपयुक्त श्लोक की व्याख्या कीजिए ?

श्रृंगारहास्यकरूणरौद्रवीरभयानकाः।

बीभत्साद्भुतसंज्ञौ चेत्यष्टौ नाट्य्ये रसाः स्मृताः।।

5) निम्न कारिका की व्याख्या कीजिए ?

''काव्यस्यात्मा ध्वनिरिति बुधैर्यः समाम्नपात पूर्वः''।

6) निम्न कारिका की व्याख्या कीजिए ?

योऽर्थः सहट्दयश्लाध्यः काव्यात्मेति व्यवस्थितः।

वाच्यप्रतीयमानाख्यौः तस्य भेदावुभौ स्मृतौ।।

7) भरत मुनि के नाट्यशास्त्र का प्रयोजन लिखिए ?

8) नाट्यशास्त्र के अनुसार प्रेक्षागृह का स्वरूप एवं भेद लिखिए ?

9) काव्यशास्त्र का रस सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ?

10) विभिन्न काव्यशास्त्रों के मतानुसार अलंकार की व्याख्या कीजिये ?

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) SANSKRIT FINAL YEAR (2020-21)

SUBJECT: काव्यशास्त्र

ASSIGNMENT QUESTION PAPER – SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः–

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तर पुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय के प्रश्नपत्र हल करें, जो उत्तरपुस्तिका पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः– सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1) आचार्य मम्मट के काव्य प्रयोजन का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए ?

2) आचार्य मम्मट के मतानुसार काव्य के भेदों का स्पष्टीकरण प्रस्तुत कीजिए ?

3) निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए ?

रतिर्हासश्च शोकश्च क्रोधोत्साहौ भयं तथा।
जुगुप्सा विस्मयश्चति स्थायिभावाः प्रकीर्त्तिताः।

4) उपर्युक्त श्लोक की व्याख्या कीजिए ?

कारणान्यथ कार्याणि सहकारीणि यानि च।
रत्यादेः स्थायिनो लोके तानि चेत्राटय्यकाव्ययोः।।
विभावा अनुभावास्तत् कथ्यन्ते व्यभिचारिणीः।
व्यक्तः स तैर्विभावाद्यैः स्थायी भावो रसः स्मृतः।

5) ''काव्यस्यात्मा ध्वनिः'' इस कथन की समीक्षा कीजिए ?

6) ध्वनि के स्वरूप का विवेचन करते हुए ध्वनि–काव्य की स्पष्ट परिभाषा दीजिए ?

7) नाट्यशास्त्र का 'प्रतिपाद्य' विषय बताइये ?

8) 'नाट्यवेदोत्पत्ति' पर टिप्पणी लिखिए ?

9) ध्वनि सिद्धान्त की सम्यक् विवेचना कीजिए ?

10) काव्य के शोभाकार धर्मों को अलंकार कहते हैं। इसे दृष्टि में रखते हुए अलंकार सिद्धांत का परिचय दीजिए ?

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) SANSKRIT FINAL YEAR (2020-21)

SUBJECT: नाट्य एवं नाट्यशास्त्र

ASSIGNMENT QUESTION PAPER – FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः–

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तर पुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय के प्रश्नपत्र हल करें, जो उत्तरपुस्तिका पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः– सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1) मुद्राराक्षस नाटक के राजनीतिक वैशिष्ट्य का निरूपण कीजिए ?

2) मुद्राराक्षस नाटक के आधार पर चाणक्य की चारित्रिक विशेषताओं को बताइये ?

3) वैणीसंहार के नाट्कीय विशेषताओं को समझइाये ?

4) वैणीसंहार के अंगीयरस का विवेचन कीजिए ?

5) मृच्छकटिकम् के आधार पर चारूदत्त का चरित्र–चित्रण कीजिए ?

6) मृच्छकटिकम् की कथावस्तु का समीक्षात्मका विवेचन कीजिए ?

7) दशरूपकम् के अनुसार नायिका भेदों का वर्णन कीजिए ?

8) नाट्यशास्त्र के विषय में धनंजय के योगदान का वर्णन कीजिए ?

9) संस्कृत रूपक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?

10) संस्कृत रूपकों के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ?

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) SANSKRIT FINAL YEAR (2020-21)

SUBJECT: नाट्य एवं नाट्यशास्त्र

ASSIGNMENT QUESTION PAPER – SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः–

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तर पुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय के प्रश्नपत्र हल करें, जो उत्तरपुस्तिका पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः– सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1) विशाखदत्त की नाट्यकला पर निबन्ध लिखिए ?

2) मुद्राराक्षस नाटक में चरित्र–चित्रण के साथ नायकत्व का निर्धारण कीजिए ?

3) वेणीसंहार के आधार पर दुर्योधन का चरित्र–चित्रण प्रस्तुत कीजिए ?

4) वेणीसंहार के आधार पर भीम का चरित्र–चित्रण लिखिए ?

5) मृच्छकटिकम् के आधार पर चारूदत्त और वसन्त सेना का चरित्र–चित्रण लिखिए ?

6) मृच्छकटिकम के आधार पर सामाजिक स्थिति को समझाइये ?,

7) ''अवसीनुकृतिर्नाट्यं रूपं दृश्यतोच्यते, रूपकं तत्समारोपात्'' इस कथन को स्पष्ट करें ?

8) उपर्युक्त विषयों पर टिप्पणी कीजिए ?

1) अन्यद्वावाश्रयं नृत्यम् 2) प्रयत्नस्तु तदप्राप्तौ व्यापारोऽतित्वरान्वितः।

9) निम्न नाटकों में नाट्य दोष प्रकट कीजिए ?

1) मुद्राराक्षस 2) वेणीसंहार 3) मृच्छकटिकम्

10) दशरूपककार का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुये उनका समय निर्धारित कीजिए ?

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) SANSKRIT FINAL YEAR (2020-21)

SUBJECT: धर्म, संस्कृति एवं इतिहास

ASSIGNMENT QUESTION PAPER – FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः–

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तर पुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय के प्रश्नपत्र हल करें, जो उत्तरपुस्तिका पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः– सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1) वैदिक धर्म में प्रचलित राजसूय तथा अश्वमेघ यज्ञ के स्वरूप तथा महत्व पर प्रकाश डालें ?

2) वैदिक धर्म की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ?

3) श्रमण धर्म का स्वरूप बताइए ?

4) श्रमण परम्परा का विकासक्रम समझाइये ?

5) प्रमुख पुराणों का परिचय एवं महत्व लिखिए ?

6) पुराणों का लक्षण एवं विकासक्रम समझाइये ?

7) संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता समझाइये ?

8) संस्कृत साहित्य में जीवन मूल्य एवं नवाचार को समझाइये ?

9) पर्यावरण शब्द की उत्पत्ति, अर्थ और महत्व को समझाइये ?

10) पर्यावरण संरक्षण के उपाय को समझाइये ?

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

MASTER OF ARTS (MA) SANSKRIT FINAL YEAR (2020-21)

SUBJECT: धर्म, संस्कृति एवं इतिहास

ASSIGNMENT QUESTION PAPER – SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः–

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तर पुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय के प्रश्नपत्र हल करें, जो उत्तरपुस्तिका पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः– सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1) वैदिक साहित्य की विभिन्न संहिताओं पर प्रकाश डालिए ?

2) वैदिककाल की समाज एवं संस्कृति पर प्रकाश डालिए ?

3) जैन धर्म का स्वरूप तथा विकास बताइये ?

4) सिद्ध कीजिए कि श्रमण धर्म अनीश्वरवादी है ?

5) पुराणों का ऐतिहासिक महत्व बताइये ?

6) पुराणों का वैशिष्ट्य एवं महत्व समझाइये ?

7) संस्कृत साहित्य में वर्णित गृहस्थाश्रम का महत्व समझाइये ?

8) संस्कृत साहित्य में धर्म के स्वरूप का संक्षिप्त निरूपण कीजिए ?

9) पर्यावरण संरक्षण के किन्हीं दो उपायों पर प्रकाश डालिए ?

10) पर्यावरण को क्षति पहुँचाने वाले किन्हीं दो घटकों की व्याख्या कीजिए ?